Shyama Prasad Mukherji College
Teaching Plan
JULY-DEC- 2022

Course and Year: HINDI (H), 3RD YEAR
Semester: 5TH
Taught individually or shared: SHARED
Paper: पाश्चात्य काव्यशास्त्र
Faculty: श्री अनुराग सिंह (इकाई - 1 और इकाई - 4) और डॉ. प्रेम शंकर पाण्डेय (इकाई - 2 और इकाई - 3)
No. of Classes (per week)**: 5 (L) + 3 (T) = 7**

Teaching Plan

Readings (in APA format)

Unit 1: इकाई -1- अरस्तू और लौंजाइनस

a) **Readings prescribed in the syllabus**
- साहित्य सिद्धान्त - राम अवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, संस्क. 1963
- साहित्य सिद्धान्त - रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद), लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, संस्क. 2000
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, दसवां संस्क. 2007
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, पहला छात्र संस्क.2013, आवृति 2015

b) **Readings, e- references to be given to students but not prescribed in syllabus (if any)** 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन सन्दर्भ - सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, चतुर्थ संस्करण,2016 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, नवीन संस्क. 1965 3. इग्नू(IGNOU) सामग्री

4. **E pg pathshala - P-14 - M-5,6,7,8**

जुलाई माह-

प्लेटो का परिचय
प्लेटो का काव्य सिद्धांत
अरस्तू का परिचय
अरस्तू की काव्य संबंधी मान्यताएँ

अगस्त माह-

अनुकरण का अर्थ
अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत
विरेचन की अवधारणा
विरेचन का चिकित्सकीय,कला परक, धार्मिक व नैतिक संदर्भ में अर्थ
विरेचन की प्रक्रिया
त्रासदी की अवधारणा
त्रासदी के तत्व

सितंबर माह-

उदात्त की अवधारणा

उदात्त साहित्य के तत्व

उदात्त मे बाधा पहुंचाने वाले कारक

Unit 2 : इकाई -2 - वर्ड्सवर्थ, कॉलरिज और टी.एस. इलियट

c) Readings prescribed in the syllabus

- साहित्य सिद्धान्त - राम अवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, संस्क. 1963
- साहित्य सिद्धान्त - रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद), लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, संस्क. 2000
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, दसवां संस्क. 2007
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, पहला छात्र संस्क.2013, आवृति 2015

d) Readings, e- references to be given to students but not prescribed in syllabus (if any) 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन सन्दर्भ - सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, चतुर्थ संस्करण,2016 2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संसोधित संस्क. 2009,पुनर्मुद्रण 2014 3. इग्नू(IGNOU) सामग्री 4. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली : डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, पहला छात्र संस्क. 2012 5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- इतिहास,सिद्धांत और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, दशम संस्करण-2019

जुलाई-अगस्त –

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की महत्वपूर्ण पुस्तकों से परिचय
- 18 वीं शताब्दी के अंतिम दशकों की कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक घटनाक्रमों की चर्चा के द्वारा समकाल की समझ विकसित करना
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन के विकास क्रम की चर्चा और साथ ही इस पाठ्यक्रम को समझने के लिए आवश्यक कुछ महत्वपूर्ण अवधारणात्मक शब्दों से परिचय
- भारतीय काव्यशास्त्र की एक सामान्य चर्चा जिससे कि छात्राएँ तुलनात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकें
- वर्ड्सवर्थ और कोलरिज की काव्य संबंधी और काव्य-भाषा संबंधी मान्यताओं के अध्ययन से पहले काव्य और भाषा संबंधी महत्वपूर्ण पक्षों पर एक सामान्य चर्चा
- स्वच्छन्दतावाद की पीठिका और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से अवगत करते हुए वर्ड्सवर्थ की काव्य संबंधी मान्यताओं की चर्चा
- वर्ड्सवर्थ की काव्य-भाषा संबंधी मान्यताओं की चर्चा

सितंबर –

- कोलरिज की काव्य संबंधी मान्यताओं की चर्चा
- कोलरिज की काव्य-भाषा संबंधी मान्यताओं की चर्चा
- वर्ड्सवर्थ और कोलरिज की काव्य और काव्य-भाषा संबंधी मान्यताओं का तुलनात्मक अध्ययन
- इलियट के अध्ययन के लिए इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण अवधारणात्मक शब्दों से परिचय (विशेष कर परंपरा और वैयक्तिकता) एवं पृष्ठभूमि पर चर्चा
- 'परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा' सिद्धांत पर चर्चा

अक्टूबर –

- 'निर्वैयक्तिकता' सिद्धांत पर चर्चा
- 'वस्तुनिष्ठ सहसंबंध' सिद्धांत पर चर्चा
- रचना-प्रक्रिया की समझ में सिद्धांतों के महत्व पर चर्चा

Unit 3 : इकाई - 3 - सामान्य परिचय : स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद

e) Readings prescribed in the syllabus

- साहित्य सिद्धान्त - राम अवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, संस्क. 1963
- साहित्य सिद्धान्त - रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद), लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, संस्क. 2000
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, दसवां संस्क. 2007
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, पहला छात्र संस्क.2013, आवृति 2015
- हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, संस्क. 2015
- हिंदी साहित्य कोश : संपा. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी,द्वितीय संस्क., वसंतपंचमी, संवत २०२०

f) Readings, e- references to be given to students but not prescribed in syllabus (if any) 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन सन्दर्भ - सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, चतुर्थ संस्करण,2016 2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संसोधित संस्क. 2009,पुनर्मुद्रण 2014 3. इग्नू (IGNOU) सामग्री 4. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली : डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, पहला छात्र संस्क. 2012

5. KEYWORDS - A VOCABULARY OF CULTURE AND SOCIETY- RAYMOND WILLIAMS, FONTANA PRESS, REISSUED -1988

अक्टूबर –

- अवधारणाओं पर चर्चा से पहले साहित्य और अवधारणाओं के बीच संबंध की समझ विकसित करना
- स्वच्छन्दतावाद पर चर्चा

- 'मार्क्सवादी आलोचना' पर चर्चा से पहले ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, कुछ अन्य महत्वपूर्ण शब्दावलियों से परिचय, आलोचना की सैद्धांतिकी और महत्वपूर्ण वादों का सामान्य परिचय
- मार्क्सवादी आलोचना पर चर्चा

नवंबर –

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कुछ अन्य महत्वपूर्ण शब्दावलियों से परिचय के उपरांत संरचनावाद पर चर्चा
- उत्तर-संरचनावाद पर चर्चा
- पाठ्यक्रम पर एक समग्र चर्चा, शंकाओं का समाधान
- प्रश्नोत्तर पर चर्चा

Unit 4 : इकाई - 4 - बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडम्बना, फैंटसी, मिथक

g) Readings prescribed in the syllabus

- साहित्य सिद्धान्त - राम अवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, संस्क. 1963
- साहित्य सिद्धान्त - रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद), लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, संस्क. 2000
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, दसवां संस्क. 2007
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, पहला छात्र संस्क.2013, आवृति 2015
- हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, संस्क. 2015

h) Readings, e- references to be given to students but not prescribed in syllabus (if any) 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन सन्दर्भ - सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, चतुर्थ संस्करण, 2016 2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संसोधित संस्क. 2009,पुनर्मुद्रण 2014 3. इग्नू (IGNOU) सामग्री 4. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली : डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, पहला छात्र संस्क. 2012

5. **E pg pathshala**- **P-**14 - **M-**28**,**28**,**33**,**34**,**35

6. पाश्चात्य काव्य चिंतन- करुणाशंकर उपाध्याय - राधाकृष्ण प्रकाशन

सितंबर माह-

बिम्ब की अवधारणा

अक्तूबर माह-

बिम्ब के प्रकार

काव्य मे बिम्ब की उपयोगिता

प्रतीक की अवधारणा

प्रतीक के प्रकार

काव्य मे प्रतीक की उपयोगिता

विसंगति से तात्पर्य

नवंबर माह-

विडम्बना से तात्पर्य

काव्य मे विसंगति व विडम्बना भूमिका

यथार्थ की अवधारणा

यथार्थवादी काव्य व अन्य रचनाएँ

फैंटेसी का अर्थ व अवधारणा

काव्य मे फैंटेसी की भूमिका

मिथक की अवधारणा

मिथकों के श्रोत

काव्य मे मिथक

No of classes required to complete the unit (approx.):

1. यूनिट 1 - एक से तीन सप्ताह
2. यूनिट 2 - चार से छः सप्ताह
3. यूनिट 3 - सात से नौ सप्ताह
4. यूनिट 4 - दस से बारह सप्ताह
5. सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आतंरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ - तेरह से चौदह सप्ताह

Sub topics to be covered and their order along with the respective time frames (if any)

पाश्चात्य साहित्य चिंतन का इतिहास और विकास-क्रम - सामान्य परिचय
भारतीय काव्यशास्त्र के साथ तुलनात्मक विवेचन

Methodology of Teaching:

व्याख्यानों के माध्यम से सैद्धांतिक अध्ययन, विश्लेषण, परिचर्चा और अभ्यास कार्य

ASSESSMENT

Tentative date of assessments/ assignments (time frame): टेस्ट एवं असाइनमेंट – सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में/ एवं अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में

Criteria of Assessment:

विषयवस्तु की समझ और प्रस्तुति